व्याकरण दर्पण 3

1. भाषा और व्याकरण

1 (क) बोलता (ख) शुद्ध (ग) लिपि (घ) जापानी (ङ) पंजाबी

2 तमिल – तमिलनाडु गुजराती – गुजरात चीनी – चीन
असमिया – असम उर्दू – पाकिस्तान

3 (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

4 मौखिक मौखिक
लिखित लिखित

2. वर्ण

1 **स्वर –** आ उ ऋ ऐ ओ **व्यंजन –** द ध म व स

2 बंदर साँप चाँद पतंग घंटी मूँछ

3 कक्षा, क्षमा, क्षत्रिय। पत्र, त्रिशूल, त्रिकोण।
ज्ञान, विज्ञान, आज्ञा। श्रम, श्रमिक, श्रवण।

4 तोता – त् + ओ + त् + आ
माला – म् + आ + ल् + आ
कमल – क् + अ + म् + अ + ल् + अ

3. स्वरों की मात्राएँ

1 पौ कृ तै हा रू नी लि दु

2 काला कील कुली कुल कालू कूल

3 रुपया थैला घड़ा किताब मछली टोकरी

4 रुपया रुकना रूप अमरूद

4. शब्द और वाक्य

1 इमली खरगोश जादूगर बादल।

2 लड़का तैर रहा है। लड़का किताब पढ़ रहा है।
बच्चे बारिश में खेल रहे हैं। नल से पानी आ रहा है।

3. (क) राशि फ़ुटबॉल खेलती है। (ख) बच्चा रोते-रोते सो गया।
(ग) बाज़ार बंद हो जाएगा। (घ) सपेरा बीन बजा रहा है।

4.

गु	ला	ब					
		स	ड़	क			
				म			
				ल	ड़	का	
						र	

5. संज्ञा (नाम वाले शब्द)

1 नदी बहती जाती कलकल। लड़की खेलती है।
बुआ चरखा चला रही हैं। आसमान में बादल गरजे।
पतंग उड़ रही है। चिड़िया पेड़ पर बैठी है।

2 भाई, रोहित, आदित्य, मित्र, दूध, कविता, घर, बहन, निम्मो, जन्मदिन, उपहार, रसमलाई, मिठास, मन।

3 (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

4

मुं	ब	ई	पं	दि
बा	ची	न	जा	ल्ली
ज़ा	बं	अ	ब	ह
र	ग	प	ट	ना
रू	लौ	आ	ग	रा
स	र	अ	स	म

6. लिंग (स्त्री-पुरुष)

1 (क) माता जी (ख) बकरा (ग) चूहा (घ) सेठ (ङ) बेटा

2 पुल्लिग – ताऊ, माली, शेर, मुरगा, बैल।
स्त्रीलिंग – ताई, मालिन, शेरनी, मुरगी, गाय।

3 स्त्रीलिंग – मोरनी हथिनी चाची नानी पुत्री

4

राजा

मालिन

बुढ़िया

हथिनी

7. वचन (एक-अनेक)

1 पेड़ – एकवचन घड़ियाँ – बहुवचन हाथी – एकवचन
पुस्तकें – बहुवचन रेलगाड़ी – एकवचन झंडा – एकवचन

2 मेले – मेला खिड़की – खिड़कियाँ चादरें – चादर
चुहिया – चुहियाँ पंखे – पंखा गुब्बारा – गुब्बारे
छात्रा – छात्राएँ ताले – ताला

3 (क) बहुवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) बहुवचन
(ङ) एकवचन (च) एकवचन

4 (क) बच्चा बारिश में नहाया। (ख) चाबियाँ नहीं मिल रही हैं।
(ग) लड़कियों ने गुड़ियाँ खरीदीं। (घ) यह पतंग सुंदर है।
(ङ) रोगियों ने दवाइयाँ खाईं। (च) फल मीठा है।

5 एकवचन – घड़ी, झंडा, साड़ी। बहुवचन – थैले, चादरें, पुस्तकें।

8. सर्वनाम (नाम के बदले नाम)

1 (ख) माली बाग में है। वह पौधे लगा रहा है।
(ग) रितु ने कहा, "मेरा घर बड़ा है।"
(घ) माँ ने विभु से कहा, "तुम बाज़ार जाओ।"

2 तुमने वे उनका इस वे उनकी उन्हें उन्हें उसका
उन्होंने अपने उसे।

3 वे उन्हें मैं अपने मेरा हम यह आप उसका।

4 (क) तुम, मैं। (ख) यह, तुमको। (ग) मेरे, मुझे।

9. विशेषण (कैसा या कितना)

1 विशेषण – नीले, पीले, मीठे।

विशेष्य – आसमान, फूल, फल।

2 मेहनती – किसान छोटा – बच्चा हरा – तोता

मीठे – फल रंग-बिरंगी – तितली शैतान – बंदर

ताज़ा – घी

3

सुंदर	फूल	बड़ा	हाथी
रंग-बिरंगे	फूल	मोटा	हाथी
रंग-बिरंगे	गुब्बारे	बड़ा	घर
चार	गुब्बारे	सुंदर	घर

4 होशियार हँसमुख चुस्त सुंदर अच्छा सहायक।

10. क्रिया (करना या होना)

1 पीना जलना नहाना।

पढ़ना खेलना बोलना।

2 (क) छत पर मोर **नाच** रहा है। (ख) बच्चे शोर **मचा** रहे हैं।

(ग) अब तुम अपने घर को **जाओ**। (घ) खाना **खाकर** मज़े **उड़ाओ**।

3 कलियाँ – खिलना गले – मिलना बादल – बरसना

खेल – खेलना हाथ – हिलाना

4 पढ़ना – वह पुस्तक पढ़ रहा है।

हँसना – बच्चे जोकर को देखकर हँसने लगे।

डरना – शेर को देखकर वह डर गई।

खेलना – पढ़ाई के साथ-साथ खेलना भी ज़रूरी है।

पकड़ना – बच्चों को बड़ों का हाथ पकड़कर चलना चाहिए।

11. विलोम शब्द

1 जन्म × मृत्यु पुराना × नया सरदी × गरमी

व्यय × आय जीत × हार डरपोक × निडर

2 (क) झूठ (ख) जाना (ग) पुराना (घ) नीचा

3 (क) सूखी (ख) सच (ग) व्यय (घ) पतले (ङ) उत्तर

12. समानार्थी शब्द

1 जल – नीर दीपक – दीया पुष्प – फूल
बेटी – सुता सुबह – सवेरा

2 घर, सदन। नयन, नेत्र। गज, हस्ती। वृक्ष, तरु।

3 आँख – नयन, नेत्र। औरत – महिला, स्त्री। प्रकाश – रोशनी, उजाला।
चंद्रमा – चाँद, शशि। रात – निशा, रात्रि।

13. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

1 जो सेना में काम करता है – सैनिक जो सोने के गहने बनाता है – सुनार
जो चित्र बनाता है – चित्रकार जो नाचता है – नर्तक

2 (क) चित्रकार (ख) निडर (ग) सैनिक (घ) मांसाहारी

3 (क) जो आलस करता है (ख) जहाँ विद्यार्थी पढ़ते हैं
(ग) जो काम से जी चुराता है (घ) जो सप्ताह में एक बार हो
(ङ) भारत का रहने वाला

4 (क) कवि (ख) विद्यार्थी (ग) साप्ताहिक (घ) शाकाहारी

14. शुद्ध-अशुद्ध शब्द व वाक्य

1 ब्राह्मण, कृपा, आहार, प्रणाम, पत्नी, नमस्कार, त्योहार, पंडित।

2 (ख) पक्षी पेड़ पर बैठा है। (ग) हम काम करते हैं।
(घ) कुरसी पर बैठ जाओ। (ङ) छत पर मत जाओ।
(च) आप इधर आइए।

3 अशुद्ध शब्द – झूट, चरन, दन्ड, कृप्या, दांत।
शुद्ध शब्द – विशेष, प्रणाम, अंधा, ढक्कन, क्षमा।

15. मुहावरे

1 (क) मिठाई देखकर सबके मुँह में **पानी आ जाता** है।
(ख) माँ के लिए बेटी परायी नहीं, गले **का हार** होती है।
(ग) नेता जी के जीत जाने पर उनके चमचे घी **के दीये जलाने** लगे।
(घ) राकेश रात-दिन पढ़ाई करता है, वह तो किताबी **कीड़ा बन गया** है।

2 हाथ बँटाना – हमें अपने माता-पिता के कामों में **हाथ बँटाना** चाहिए।

नाच नचाना – कुत्ते ने चोर को दौड़ा-दौड़ाकर **नाच नचा दिया**।

पानी-पानी होना – झूठ पकड़े जाने पर रवि **पानी-पानी हो गया**।

कान भरना – किसी के बारे में **कान भरना** गंदी आदत है।

3 भीगी बिल्ली बनना – डर जाना कमर कसना – तैयार होना

हाथ बँटाना – मदद करना नाच नचाना – परेशान करना

16. पत्र लेखन

1 29, बड़ा बाज़ार,

ए-1027, लक्ष्मी नगर,

दिल्ली

22 अक्टूबर, 20××

प्रिय मित्र,

सुरेश

तुम कैसे हो, मैं बहुत खुश हूँ। हमारे विद्यालय में खेल प्रतियोगिता हुई थी। इसमें कई खेल शामिल थे–खो-खो, दौड़, कबड्डी, क्रिकेट इत्यादि।

मैंने दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। खो-खो में हमारे स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

तुम्हारा मित्र

अखिलेश

2 राम सिंह

गाँव – कोटा बाग

रामनगर, हलद्वानी

3 रजनी शर्मा

मकान नं-1240, गली नं-9

कृष्णा नगर, दिल्ली

22 नवंबर, 20××

आदरणीय मौसी जी

सादर प्रणाम

17. निबंध-लेखन

1 मैं अपने माता-पिता के साथ मेला देखने गई। मेले में बहुत भीड़ थी, मेरे पिता ने मेरा हाथ पकड़ रखा था। मेले में कई तरह के झूले थे। एक तरफ़ चाट-पकौड़ी की दुकान थी तो दूसरी तरफ़ मिठाइयाँ ही मिठाइयाँ थीं। जोकर खेल-तमाशे दिखाकर सबको हँसा रहा था। खिलौने की दुकान में रंग-बिरंगे हाथी, घोड़ा, शेर अपनी ओर ध्यान आकर्षित कर रहे थे। हमने मेले में जादू का खेल देखा और फोटो भी खिंचवाई।

2. मेरा मित्र रमेश बहुत अच्छा लड़का है। वह हर समय मदद के लिए तैयार रहता है। रमेश की एक छोटी बहन भी है, जिसका वह बहुत ध्यान रखता है। मेरा मित्र रोज़ समय पर विद्यालय जाता है और विद्यालय से सीधा घर आता है। छुट्टी के दिन सुबह छोटी बहन को साइकिल पर बैठाकर पार्क की सैर कराता है। क्रिकेट खेलना रमेश का प्रिय शौक है। वह इसका बहुत अच्छा खिलाड़ी भी है।

18. कहानी लेखन

1 दरजी की दुकान पर हर रोज़ एक हाथी आता था। वह खिड़की से अपनी सूँड को अंदर डाल देता। दरजी को उसे देखकर बहुत खुशी होती। वह उसे प्यार से पुचकारता और उसे केला खाने के लिए देता। वह केला मुँह में रखकर झूमता हुआ चला जाता। कुछ ही क्षण बाद वापिस आता और खिड़की से ज़ोर की फूलों की वर्षा करता। पूरी दुकान फूलों की खुशबू से महक उठती। एक बार दरजी को कुछ समय के लिए दूसरे शहर जाना पड़ा। दुकान में उसका बेटा बैठने लगा। हाथी रोज़ की तरह आया और उसने दुकान की खिड़की से अपनी सूँड अंदर डाली जैसे कुछ खाने के लिए माँग रहा हो। दरजी के बेटे ने उसे भगाने की कोशिश की, परंतु वह टस से मस न हुआ। उसने क्रोध में आकर उसकी सूँड में सुई चुभा दी। वह दर्द से बिलबिलाता हुआ क्रोध में चला गया। थोड़ी देर बाद उसने अपनी सूँड खिड़की में डाली और फूलों की जगह कीचड़ बरसाना शुरू कर दिया। दरजी का बेटा भौचक्का देखता रह गया।

2 एक **राजा** था। एक बार उसने **सपना** देखा। सपने में ईश्वर ने राजा को वरदान दिया था कि वह जिस चीज़ को छुएगा, वह **सोने** की बन जाएगी।

सुबह होने पर राजा ने पाया कि उसका सपना सच हो गया था। वह जिन-जिन **चीज़ों** को **छूता** जाता, वही सोने की बन जातीं। यह देखकर राजा ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगा। राजा की **हँसी** सुनकर उसकी इकलौती **बेटी** वहाँ आ गई। राजा ने प्रसन्नता से अपनी बेटी के सिर पर **हाथ** फेरा। अरे! यह क्या? **नन्ही** राजकुमारी सोने की मूर्ति में बदल गई। राजा की हँसी गायब हो गई। वह **दुखी** होकर ईश्वर को पुकारने लगा। इस बार ईश्वर सचमुच प्रकट हो गए। राजा ने उनसे विनती की, "हे प्रभु! आप अपना **वरदान** वापस ले लीजिए। मैं अब कभी **लालच** नहीं करूँगा।"

"ऐसा ही हो!" ईश्वर ने कहा और वे **ओझल** हो गए। उसी क्षण **राजकुमारी** जीवित हो उठी। इतना ही नहीं, जो-जो चीज़ें सोने की बन गई थीं, वे सब भी अपने-अपने वास्तविक रूप में आ गईं। उस दिन के बाद राजा ने लालच करना छोड़ दिया।